2022

HINDI

Paper : HIN–HC–2016

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता)

(Honours Core)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) विद्यापति मूलतः किसके उपासक थे?

(ख) विद्यापति-कृत 'पदावली' हिन्दी की किस बोली में रचित है?

(ग) 'पसुपति-भामिनी' किनको कहा गया है?

(घ) 'साखी' का तात्पर्य क्या है?

(ङ) कबीरदास के गुरु कौन थे?

(च) कबीर की वाणी किस नाम से संगृहीत है?

(छ) जायसी-कृत 'पद्मावत' की नायिका कौन है?

(ज) जायसी के गुरु का नामोल्लेख कीजिए।

(झ) सूरदास-रचित दो प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए।

(ञ) "मुंडमाला मनोहर गर ऐसि सोभा पाइ।
स्वातिसुत माला बिराजत स्याम तन या भाइ।"

ये पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(ट) तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' की रचना किस छंद-पद्धति पर की है?

(ठ) तुलसीदास ने 'सुरसरिता' के साथ किसकी तुलना की है?

(ड) बिहारीलाल-रचित काव्य-ग्रंथ का नामोल्लेख कीजिए।

(ढ) घनानंद हिन्दी की किस काव्यधारा के अंतर्गत आते हैं?

(ण) "मोहि तो मेरे कवित्त बनावत" —किस कवि ने ऐसा कहा है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) विद्यापति की लोकप्रियता के किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

(ख) "हँसि-हँसि कंत न पाइये, जिन पाया तिन रोइ।" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) "अब कै राखि लेहु भगवान" —सूर को ऐसा क्यों कहना पड़ा?

(घ) "सुंदरता कहुँ सुंदर करई।" तुलसीदास ने क्यों ऐसा कहा है?

(ङ) "सासु ननद के भौंह सिकोरे।" कवि ने ऐसा कहकर किसकी ओर संकेत किया है?

(च) "मेरी भव-बाधा हरौ" —किसने किससे अपनी बाधा हरने की प्रार्थना की है?

(छ) बिहारीलाल के काव्य की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ज) 'प्रेम की पीर' के कवि के रूप में कौन प्रसिद्ध हैं? उनकी प्रेमिका का नामोल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) विद्यापति की भक्ति-भावना पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

(ख) कबीर के खण्डनात्मक दृष्टिकोण पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

(ग) 'मानसरोदक-खण्ड' के आधार पर पद्मिनी के सौंदर्य पर आलोकपात कीजिए।

(घ) सूरदास-विरचित पठित पदों के आधार पर कृष्ण की बाल-लीलाओं का वर्णन कीजिए।

(ङ) 'पुष्पवाटिका-प्रसंग' के आधार पर सीता के सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

(च) पठित दोहों के आधार पर बिहारीलाल की बहुज्ञता पर प्रकाश डालिए।

(छ) बिहारी की शृंगार-भावना पर संक्षेप में विवेचन कीजिए।

(ज) घनानंद की कविता की विषय-वस्तु पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) विद्यापति-विरचित पठित पदावली के प्रतिपाद्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) कबीर की भक्ति-भावना पर अपना विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

(ग) 'मानसरोदक-खण्ड' का भावार्थ अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।

(घ) सूरदास के 'विनय' के पदों के आधार पर उनकी भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ङ) "सूरदास का वात्सल्य-वर्णन बेजोड़ है।" इस उक्ति की सार्थकता की पुष्टि कीजिए।

(च) 'पुष्पवाटिका-प्रसंग' का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

(छ) बिहारी के वाग्वैदग्ध पर सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(ज) बिहारी भक्त कवि हैं या शृंगारी? सतर्क विवेचन कीजिए।

(झ) घनानंद की प्रेम-भावना पर सोदाहरण आलोकपात कीजिए।

(ञ) निम्नलिखित में से किसी एक खंड की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) कनक-भूधर-शिखर-वासिनी,
चंद्रिका-चय-चारु-हासिनि,
दशन-कोटि-विकास, वंकिम-
तुलित चन्द्रकले!
युद्ध-सुररिपु बल निपातिनि,
महिष-शंभु-निशंभु-घातिनी,
मीत-भक्तभयापनोदन—
पाटल प्रबले!

(ii) माया महा ठगिनि हम जानी।
तिरगुन फाँसि लिए कर डोलै बोलै मधुरी बानी॥
केसव के कँवला कोई बैठी सिव के भवन भवानी।
पंडा कै मूरति होई बैठी तीरथ हू मैं पानी॥

★★★